आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 04.09.2025 समय : 1850

<><><><><><><><>

- भारत और सिंगापुर के बीच पांच ऐतिहासिक समझौते हुए। प्रधानमंत्री ने कहा आतंकवाद के खिलाफ लड़ना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य है।
- छोटे मछुआरों के लिए जी एस टी लेकर आया खुशखबरी। मछली पकड़ने के जाल और समुद्री खाद्य उत्पादों पर करों में होगी कटौती।
- अंडमान में सबसे बड़ा शिकार विरोधी अभियान–अब तक तेईस शिकारी पकड़े गये। पुलिस ने जनता से सूचना साझा करने की अपील की।
- अंडमान निकोबार पुलिस को दक्षिण अंडमान जिले में कयाकिंग और कैनॉइंग के लिए दो नए खेलों इंडिया केन्द्र स्थापित करने की मंजूरी मिली।

<><><><><><><><>

भारत और सिंगापुर ने आज नई दिल्ली में हुई वार्ता के बाद नागरिक उड्डयन, अंतरिक्ष, कौशल विकास, डिजिटल परिसंपत्ति नवाचार और हरित शिपिंग पर पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह आयोजन भारत–सिंगापुर राजनयिक संबंधों की साठवीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सिंगापुर दक्षिण–पूर्व एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग निरंतर मजबूत हो रहे हैं। सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग ने कहा कि दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ेगा। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जिक्र किया। प्रधान मंत्री श्री मोदी ने कहा कि मैं भारत के लोगों के प्रति संवेदना और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में समर्थन के लिए सिंगापुर के प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करता हूं।

<><><><><><><><>

जी.एस.टी परिषद ने अपनी छप्पनवीं बैठक में मत्स्य पालन क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए मछली पकड़ने के जाल, समुद्री खाद्य उत्पाद और जलीय कृषि इनपुट पर कर दर घटाकर पांच प्रतिशत कर दी है। पहले इन पर बारह से अटठारह प्रतिशत तक जी.एस.टी लागू था। इस निर्णय से मछली किसानों, जल कृषकों, छोटे मछुआरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। इससे प्रचालन लागत कम होगी, घरेलू उपभोक्ताओं को समुद्री उत्पाद किफायती मिलेंगे और भारत के समुद्री खाद्य निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। भारत का मत्स्य उत्पादन दो हजार चौबीस–पच्चीस में एक सौ पिचानबे लाख टन तक पहुँच चुका है और देश साठ हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का समुद्री खाद्य निर्यात कर विश्व का सबसे बड़ा झींगा निर्यातक बन चुका है। संशोधित दरें बाईस सितम्बर दो हजार पच्चीस से लागू होंगी।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने अधिसूचना के माध्यम से अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह समुद्री मत्स्य पालन (संशोधन) नियम, दो हजार पच्चीस अधिसूचित कर दिए हैं। यह संशोधन अंडमान एवं निकोबार समुद्री मत्स्य पालन विनियमन, दो हजार तीन तथा समुद्री मत्स्य पालन नियम, दो हजार चार के अंतर्गत किया गया है और अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी हो गया है। संशोधित नियमों का विवरण मत्स्य पालन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट anifisheries.andaman.gov.in तथा प्रशासन की वेबसाइट andamannicobar.gov.in पर उपलब्ध है।

<><><><><><><><>

अंडमान व निकोबार पुलिस ने पिछले दिनों उत्तर एवं मध्य अंडमान जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर शिकार विरोधी अभियान चलाया। जल टिकरे, एलिज़ाबेथ बे और तालबागान के पास खाल गोरा के घने जंगलों से नौ और म्यांमारी शिकारी पकड़े गए। इसके साथ ही अब तक गिरफ्तार शिकारियों की संख्या बढ़कर तेईस हो गई है। यह अभियान लगभग सौ वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में चलाया गया है और इसे अब तक का सबसे बड़ा व लगातार चलने वाला शिकार विरोधी अभियान बताया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई संगठित शिकार नेटवर्क को ध्वस्त करने और नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी अवैध गतिविधि की जानकारी नजदीकी थाने या हेल्पलाइन नंबर एक शून्य शून्य, एक एक दो और शून्य तीन एक नौ दो–दो सात तीन तीन चार चार पर साझा करें। सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी और उन्हें पुरस्कार भी दिया जाएगा।

<><><><><><><><>

भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने अंडमान और निकोबार पुलिस को दक्षिण अंडमान जिले में कयाकिंग, कैनोइंग और मुक्केबाजी के लिए दो नए खेलो इंडिया केंद्र स्थापित करने की मंजूरी दी है। इन केंद्रों में पूर्व चैंपियन एथलीटों और कोचों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाएगा। कयाकिंग और कैनोइंग के लिए एक पद और मुक्केबाजी के लिए भी एक पद उपलब्ध है, जिनका मासिक पारिश्रमिक पच्चीस हजार रुपये होगा। अनुबंध की अवधि बारह महीने होगी, जिसे बढ़ाया जा सकता है। इच्छुक उम्मीदवार कल से बीस सितंबर शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र, शैक्षिक और अनुभव प्रमाण पत्रों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय या ईमेल के माध्यम से भेजे जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने विकास अधिकारी के रिक्त पद को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पद के लिए केंद्र/राज्य सरकार, संघ शासित प्रदेश, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं स्वायत्त संगठनों में कार्यरत इच्छुक एवं योग्य कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप तथा विस्तृत जानकारी अंडमान एवं निकोबार प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट andamannicobar.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तीस सितम्बर शाम चार बजे है। इच्छुक उम्मीदवारों को आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन पत्र कार्यकारी अधिकारी, A&N KVIB, मिडिल पॉइंट, श्री विजयपुरम के कार्यालय में जमा करना होगा।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार कबड्डी एसोसिएशन, राज्य ओलंपिक एसोसिएशन के सहयोग से तेरह और चौदह सितंबर को श्री विजयापुरम में वरिष्ठ वर्ग (पुरुष एवं महिला) के लिए राज्य स्तरीय कबड्डी चैंपियनशिप आयोजित करेगी। इच्छुक टीमें ग्यारह सितंबर तक अपना प्रविष्टि पत्र राज्य ओलंपिक एसोसिएशन, नेताजी स्टेडियम में जमा कर सकती हैं।

<><><><><><><><>

अंडमान लोक निर्माण विभाग द्वारा राम मंदिर के पास सिरिस के पेड़ की कटाई/छंटाई के कार्य के चलते छह सितम्बर को सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक बिजली आपूर्ति निलंबित रहेगी। जिसके चलते शिव मंदिर, जापान रोड–I, जापान रोड, राम मंदिर, जवाहर सरोवर, ANIDCO मिल्क प्लांट प्रभावित रहेंगे। विभाग ने बताया कि यदि कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा हो जाता है, तो बिजली आपूर्ति शीघ्र बहाल कर दी जाएगी। उपभोक्ता किसी भी समस्या के लिए विद्युत विभाग की वेबसाइट vidyut.andaman.gov.in पर जानकारी ले सकते हैं या टोल–फ्री नंबर एक आठ शून्य शून्य–तीन चार पांच–एक एक एक एक पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

<><><><><><><><>